

डॉ. के. श्रीनिवासराम

सचिव

Dr. K. Sreenivasarao

Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



28-01-2025

प्रेस विज्ञप्ति

उर्दू से संस्कृत में अनुवाद किया जाना जरूरी : ज़ाहिद अबरोल

साहित्य अकादेमी द्वारा दिनांक 28 जनवरी 2025 को अपराह्न 3.00 बजे एक 'साहित्य मंच' कार्यक्रम का आयोजन वेबलाइन साहित्य शृंखला के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का विषय था— 'उर्दू-संस्कृत : बाहमी तराजिम' (उर्दू-संस्कृत में पारस्परिक अनुवाद) और इस विषय पर आलेख-पाठ करने के लिए ज़ाहिद अबरोल तथा पंकज के. सिंह 'राहब मैत्रेय' मौजूद रहे। पंकज के. सिंह ने बताया कि भारतीय महान संस्कृत ग्रंथों का फ़ारसी और उर्दू में बहुत पहले से अनुवाद होता रहा है। उन्होंने रामायण, महाभारत, कपिल मुनि के 'सांख्य दर्शन' तथा 'योग वाशिष्ठ' आदि ग्रंथों के अनुवाद के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। ज़ाहिद अबरोल ने अपने वक्तव्य में कई संस्कृत ग्रंथों और उनके अनुवादकर्ताओं के बारे में तो बताया ही, उन अनुवादों की विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत से उर्दू में तो काफी अनुवाद किए गए हैं लेकिन उर्दू से संस्कृत में कम अनुवाद प्राप्त होते हैं। दोनों ही विद्वान वक्ताओं ने इस दिशा में काम किए जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। कार्यक्रम का संचालन साहित्य अकादेमी में संपादक (हिंदी) अनुपम तिवारी ने किया।

(के. श्रीनिवासराम)